"हरि अनंत, हरि कथा अनंता।
कहहिं सुनहिं, बहु बिधि सब संता।।"

जगत्पावनी श्रीराम कथा व्यापक लोकमंगलकारी, सारगर्भित एवं उदात्त आदर्शों से समन्वित है । यह कथा शताब्दियों से विभिन्न दार्शनिकों, चिंतकों तथा विद्वानों द्वारा प्रस्तुत की जाती रही है । यह काल से परे एवं सदा ही प्रासंगिक रहने वाली कथा जनमानस को अभिसिंचित करती रही है तथा आगे भी करती रहेगी। शाश्वत मूल्यबोध, युगबोध और जीवन मूल्यों को संजोये रामकथा अथवा राम साहित्य प्रेरणा की, मर्यादा की अजस्र प्रवाहिनी सदृश है जिसमें अवगाहन करने मात्र से चिंतन में विस्तृति आती है।

'विश्व में राम' देश-विदेश के विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त राम साहित्य विषयक शोध-आलेखों का संकलित रूप है। विभिन्न क्षेत्रों में प्रचलित रामकथा, रामाश्रित काव्य एवं नाटक, उपन्यास, चित्र आदि बहुविध विषयवस्तु को समेटे यह पुस्तक इस चुनौतीपूर्ण समय में हमें बेहतर जीवन की दिशा दिखा पाएगी, ऐसी उम्मीद करते हैं । यह पुस्तक हिंदी विभाग मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का अमृत-तत्व है, जो सभी सुधिजनों के लिए प्रस्तुत है।

LITERATURE ₹499
ISBN 978-81-952913-4-2
9 788195 291342
QUIGNOG
www.quignog.com
A PIRATES Imprint.

Artwork by
Kailash Raj
Artist, Jaipur

10. गुजराती साहित्य में रमणलाल सोनी कृत 'श्री रामकथा सुधा' का स्थान
डॉ. जशवंतभाई डी. पंड्या 71

11. वैश्विक परिदृश्य में रामकथा- विविध रंग
सुनील पाठक 79

12. वर्तमान युग में रामकथा की प्रासंगिकता
डॉ श्वेता उपाध्याय 86

13. भुशुण्डि रामायण का वैशिष्ट्य
डॉ. राजेश श्रीवास्तव 97

14. तुलसी काव्य में समन्वय
डॉ. जितेन्द्र कुमार सिंह, 107

15. आधुनिक कविता और रामायण के विविध सदंर्भ
डॉ. नीतू परिहार 121

16. रामायण: एक नहीं अनेक (रामानन्द सम्प्रदाय के परिप्रेक्ष्य में)
महेश शर्मा (शास्त्री कोसलेन्द्रदास) 132

17. राम साहित्य में राम की वियोग-अभिव्यंजना
डॉ. प्रीति भट्ट 140

18. आधुनिक काव्य में रामकथा का बदलता स्वरूप
डॉ. कुलवंत सिंह 147

19. रामकथा और राधेश्याम रामायण
डॉ. नवीन नंदवाना 159

20. पंजाब में रचित राम काव्य की अज्ञात एवं अल्पज्ञात पांडुलिपियां (भाई गुरदास पुस्तकालय का संदर्भ)
डॉ. सुनीता शर्मा 179

21. रामकथा के कितने नाम
डॉ. आशीष सिसोदिया 190

विश्व में

राम

संपादक
डॉ नीता त्रिवेदी